एक्वामेशन

प्रलिम्सि के लयि:

एक्वामेशन, नोबेल शांतिपुरस्कार, ग्रीनहाउस गैसें, डेसमंड टूटू जल दाह संस्कार, हरति दाह संस्कार, ज्वलनशील दाह संस्कार, रासायनकि दाह संस्कार।

मेन्स के लयि:

नोबल पुरस्कार, रंगभेद

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नोबेल शांतिपुरस्कार **वजिता एंग्लकिन आर्कबशिप और रंगभेद वरिोधी प्रचारक डेसमंड टूटू का नधिन हो गया। वह पर्यावरण की रक्षा तथा इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के लयि बहुत भावुक थे।**

- पर्यावरण के अनुकूल उनकी इच्छा अनुसार उनके शरीर को एक्वामेशन से गुजरना पड़ा जो पारंपरकि श्मशान वधियों का एक हरति वकिल्प था।
- एक्वामेशन की प्रक्रयिा में ऊर्जा का उपयोग होता है जो आग से पाँच गुना कम है। यह दाह संस्कार के दौरान उत्सर्जति होने वाली ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को भी लगभग 35% कम कर देता है

प्रमुख बदिु

- **एक्वामेशन के बारे में:**
  - यह एक ऐसी प्रक्रयिा है जसिमें मृतक के शरीर को कुछ घंटों के लयि पानी और एक मज़बूत क्षार के मश्रिण में एक दबाव वाले धातु के सलिंडर में डुबोया जाता है और लगभग 150 डग्रिी सेंटीग्रेड तक गरम कयिा जाता है।
  - सरल जल प्रवाह, तापमान और क्षारीयता का संयोजन कार्बनकि पदार्थों के टूटने पर ज़ोर देता है।
  - यह प्रक्रयिा हड्डी के टुकड़े और एक तटस्थ तरल छोड़ती है जसिे प्रवाह कहा जाता है।
  - बहःिस्राव नष्फिल होता है और इसमें लवण, शर्करा, अमीनो अम्ल तथा पेप्टाइड होते हैं।
  - प्रक्रयिा पूरी होने के बाद कोई ऊतक और डीएनए नहीं बचता है।
- **पृष्ठभूमि:** इस प्रक्रयिा को वर्ष 1888 में एक कसिान अमोस हर्बर्ट हैनसन द्वारा वकिसति और पेटेंट कराया गया था, जो जानवरों के शवों से उर्वरक बनाने का एक सरल तरीका वकिसति करने की कोशशि कर रहा था।
  - वर्ष 1993 में अल्बानी मेडकिल कॉलेज में पहली व्यावसायकि प्रणाली स्थापति की गई थी।
  - इसके बाद यह प्रक्रयिा अस्पतालों और वश्विवद्यालयों द्वारा दान कयि गए मृत शरीरों के साथ उपयोग में जारी रही।
  - इस प्रक्रयिा को क्षारीय हाइड्रोलसिसि भी कहा जाता है और 'क्रीमेशन एसोसएिशन ऑफ नार्थ अमेरकिा' (कैना) (एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन) द्वारा 'फ्लेमलेस क्रीमेशन कहा जाता है।
  - इस प्रक्रयिा को जल दाह संस्कार, हरति दाह संस्कार या रासायनकि दाह संस्कार के रूप में भी जाना जाता है।

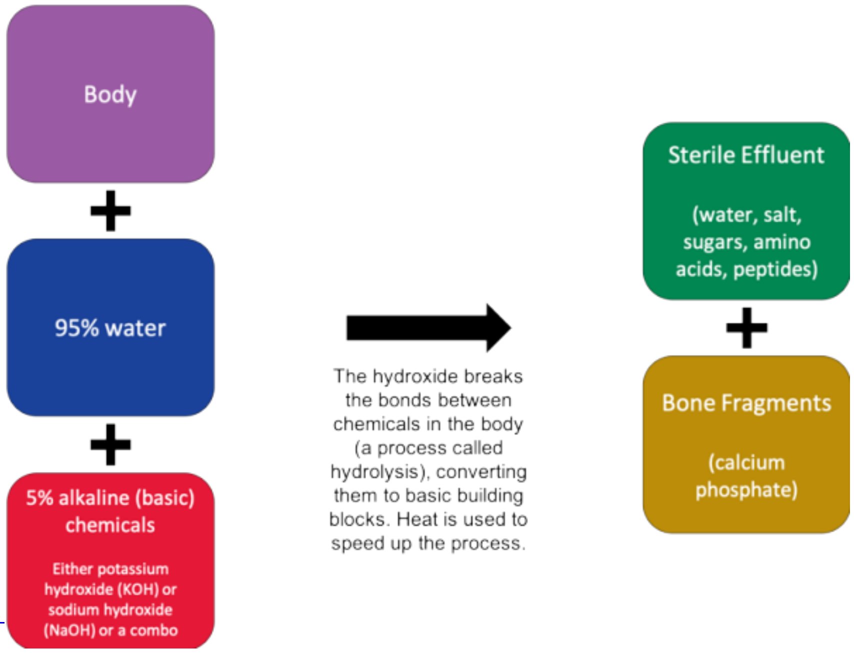

//

डेसमंड टूटू

- डेसमंड टूटू दक्षिण अफ्रीका के सबसे प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्त्ताओं में से एक हैं, उन्होंने रंगभेद को समाप्त करने के प्रयासों के लिये वर्ष 1984 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।
    - उन्हें ब्लैक साउथ अफ्रीकियों के लिये आवाज़हीनों की आवाज (Voice Of The Voiceless For Black South Africans) के रूप में जाना जाता है।
- जब नेल्सन मंडेला को देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति के रूप में चुना गया था तो उन्होंने सत्य और सुलह आयोग (Truth & Reconciliation Commission) के अध्यक्ष के रूप में टूटू को नियुक्त किया था।
    - सत्य और सुलह आयोग रंगभेद की समाप्ति के बाद वर्ष 1996 में दक्षिण अफ्रीका में एक अदालत की तरह पुनर्स्थापनात्मक न्याय संस्था थी।
- अध्यक्ष के रूप में डेसमंड टूटू ने "नस्लीय विभाजन के बिना एक लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण समाज" के रूप में अपना उद्देश्य निर्धारित किया तथा निम्नलिखित बिंदुओं को न्यूनतम मांगों के रूप में सामने रखा:
    - सभी के लिये समान नागरिक अधिकार।
    - दक्षिण अफ्रीका के पासपोर्ट कानूनों का उन्मूलन।
    - शिक्षा की एक **सामान्य/सार्वजनिक प्रणाली**।
    - दक्षिण अफ्रीका से तथाकथित **"होमलैंड्स"** की ओर ज़बरन निर्वासन की समाप्ति।

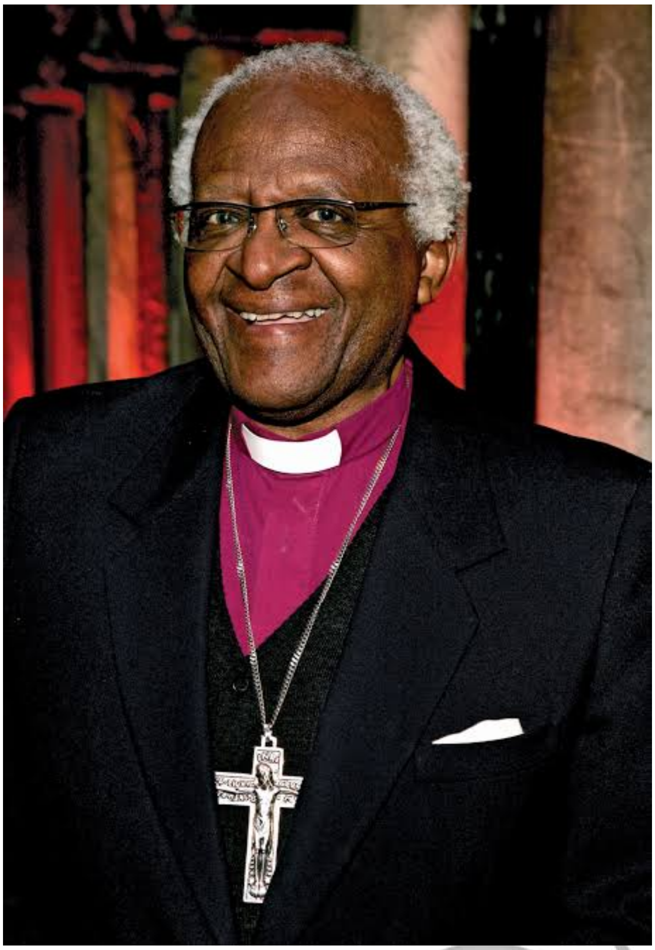

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aquamation